

क्रमांक 5462-5 जी0एस0-1-75/28285  
 प्रेषक,  
 मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार ।  
 सेवा में,

1. हरियाणा राज्य के सभी विभागाध्यक्ष, ग्रम्बाला तथा हिसार मण्डलों के आयुक्त, सभी उपायुक्त तथा उप मण्डल अधिकारी ।
2. रजिस्ट्रार, पंजाब तथा हरियाणा उच्च न्यायालय, चण्डीगढ़ तथा सभी जिला एवं सत्र न्यायाधीश, हरियाणा ।

दिनांक चण्डीगढ़, 17 सितम्बर, 1975 ।

विषय :—चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को लिपिकों के पदों पर नियमित रूप से नियुक्त करने के बारे ।

महोदय,

मुझे निदेश हुआ है कि मैं आपका ध्यान उपर्युक्त विषय पर हरियाणा सरकार के परिपत्र क्रमांक 1507-5 जी0 एस0-1-73/8724 दिनांक 30 मार्च, 1973; क्रमांक 3049-5 जी0एस0-1-73/14393, दिनांक 5 जून, 1973 तथा क्रमांक 3077-5 जी0एस0-1-74/13841 दिनांक 13 जून, 1974 में जारी की गई हिदायतों की ओर आकर्षित करूँ तथा यह बताऊँ कि हरियाणा सरकार ने इस प्रश्न पर विचार किया है कि क्या किसी ऐसे चतुर्थ/तृतीय श्रेणी (जिनका वेतनमान लिपिक के वेतनमान से कम है) के कर्मचारी को जो कि मैट्रिक तक हिन्दी भाषा का ज्ञान न रखते हों, उपरोक्त हिदायतों के अनुसार लिपिक के पद पर पदोन्नत किया जा सकता है अथवा नहीं? सरकार ने इस बारे में पूर्ण रूप से विचार करके यह निर्णय किया है कि चतुर्थ/तृतीय श्रेणी (जिनका वेतनमान लिपिक के वेतनमान से कम है) के कर्मचारी जो कि मैट्रिक तक हिन्दी भाषा का ज्ञान न रखते हों, को सरकार की उपरोक्त हिदायतों के अनुसार यदि वह दूसरी सभी निर्धारित शर्तें पूरी करते हों, उन्हें लिपिक के पद पर पदोन्नत किया जाए ।

कृपया हरियाणा सरकार के उक्त निर्णय को अपने अधीन कार्य करने वाले सभी संबंधित कर्मचारियों के ध्यान में लाया जाए ।

भवदीय,

हस्ता/-

उप सचिव, सामान्य प्रशासन,  
 कृते: मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार ।

एक एक प्रति निम्नलिखित को सूचनार्थ तथा आवश्यक कार्यवाही हेतु भेजी जाती है:—

वित्तियुक्त, हरियाणा सरकार तथा हरियाणा सरकार के सभी प्रशासकीय सचिव ।